**P.G. 1st Semester**

**Paper: HIN701C (Core)**
**हिन्दी साहित्य का इतिहास (19 वीं शताब्दी के मध्य तक)**
**Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)**

- ❖ हिन्दी साहित्य का आदिकालः प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रमुख कवि व उपलब्धियां ।
- ❖ भक्ति आंदोलनः अखिल भारतीय स्वरूप और विशेषताएं एवं मूल्यांकन।
- ❖ हिन्दी भक्ति साहित्य: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ; प्रमुख कवि; उपलब्धियां मूल्यांकन।
- ❖ रीतिकाल : रीति काव्य और दरबारी संस्कृति; प्रमुख प्रवृत्तियां; मुख्य व गौण काव्यधाराएं; प्रमुख कवि; उपलब्धियां एवं मूल्यांकन।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>


- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामकुमार वर्मा, हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास।
- नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
- विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।


**Paper: HIN702C (Core)**
**हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास**
**Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)**

- ❖ हिन्दी की स्रोत भाषाएँ व पुरानी हिन्दी के विशिष्ट रूप (अवहट्ट, डिंगल, पिंगल)।
- ❖ हिन्दी भाषा का क्षेत्र; हिन्दी की उपभाषाएं और बोलियां; पूर्वी व पश्चिमी हिन्दी में अंतर।
- ❖ हिन्दी भाषा का विकास - आदिकालीन, मध्यकालीन और आधुनिक हिन्दी,
- ❖ हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
- ❖ हिन्दुस्तानी, उर्दू, दक्खिनी हिन्दी, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी ।
- ❖ हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली, देवनागरी लिपि।

संदर्भ-ग्रंथ :


- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दी भाषा का इतिहास, प्रयाग, हिन्दुस्तानी ऐकेडेमी।
- रामविनायक सिंह, हिन्दी में सरकारी कामकाज, वाराणसी, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड।
- बालेन्दु शेखर तिवारी, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाराणसी, संजय बुक सेंटर।
- भोलानाथ तिवारी, राजभाषा हिन्दी, दिल्ली,प्रभात प्रकाशन।
- हरदेव बाहरी, हिन्दी भाषा का उद्भव व विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।


**Paper: HIN703C (Core)**
मध्यकालीन साहित्य
**Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)**

- विद्यापति - विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी, (आरंभिक 15पद)।
- कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा संपादित कबीर (दोहा:160-174)।
- जायसी - पद्मावत, वासुदेव शरण अग्रवाल द्वारा संपादित (नागमती वियोग)।
- सूरदास - रामचंद्र शुक्ल द्वारा संपादित भ्रमरगीत सार से 20 पद या मीरां का काव्य (संपादक-विश्वनाथत्रिपाठी) से 20 पद।
- तुलसीदास - रामचरित मानस : बालकाण्ड में 'पुष्पवाटिका' प्रसंग।
- बिहारी रत्नाकर,जगन्नाथ दास रत्नाकर द्वारा संपादित 10 दोहे व घनानंद कविता (संपा.विश्वनाथ मिश्र) से 10 छंद।

संदर्भ-ग्रंथ :


- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- विजेन्द्र स्नातक, कबीर, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- माता प्रसाद गुप्त, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- राज किशोर (संपा), कबीर की खोज, दिल्ली,वाणी प्रकाशन।
- डॉ.शुकदेव सिंह, संत कबीर और भक्ति पंथ, वाराणसी, विश्व विद्यालय प्रकाशन।

- पुरूषोत्तम अग्रवाल, अकथ कहानी प्रेम की : कबीर कविता और उनका समय, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामचंद्र शुक्ल, जायसी ग्रंथावली, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा।
- रामचंद्र शुक्ल, सूरसागर, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा।
- वासुदेव शरण अग्रवाल, पद्मावत, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा।
- रामविलास शर्मा, परंपरा का मूल्यांकन, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामविलास शर्मा, तुलसीदास और भारतीय सौंदर्य बोध, दिल्ली, साहित्य अकादमी।
- तुलसीदास, रामचरित मानस सटीक, गोरखपुर, गीता प्रेस।
- विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, मीरा का काव्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- रामचंद्र शुक्ल, सूरदास- भ्रमरगीत सार, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन।
- जगन्नाथ दास रत्नाकर, बिहारी रत्नाकर।
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, घनानंद कविता, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- भागीरथ मिश्र, हिन्दी का रीति साहित्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- नगेन्द्र, रीति कविता की भूमिका, दिल्ली, नेशनल पब्लिकेशन हाउस।
- विजयपाल सिंह, केशव और उनका साहित्य, दिल्ली, राजपाल एंडसंस।
- हरबंसलाल शर्मा, बिहारी और उनका साहित्य, अलीगढ़, भारत प्रकाशन मंदिर।


**Paper: HIN704C (Core)**

भारतीय काव्यशास्त्र

**Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)**

- ❖ भारतीय साहित्य चिंतन की परंपरा एवं विभिन्न संप्रदाय काव्यहेतु, काव्यलक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य-भेद, काव्यगुण, काव्यदोष, काव्य की आत्मा, शब्द शक्ति।
- ❖ रस-अर्थ, स्वरुप रस संप्रदाय, रस निष्पत्ति, साधारणी करण, रस के अंग, रस भेद।
- ❖ अलंकार - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, अलंकार संप्रदाय, अलंकार भेद, महत्व।
- ❖ ध्वनि- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, ध्वनि संप्रदाय, महत्व।

- ❖ वक्रोक्ति- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, भेद, वक्रोक्ति संप्रदाय, महत्व।
- ❖ औचित्य - अर्थ ,परिभाषा, स्वरूप, महत्व, औचित्य-भेद संप्रदाय।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>


- गुलाब राय, काव्य के तत्व, दिल्ली, आत्माराम एंड संस।
- राम बहोरी शुक्ल, काव्य प्रदीप, इलाहाबाद, हिन्दी भवन।
- कृष्णदेव झारी, साहित्या लोचन, नई दिल्ली, पराग प्रकाशन।
- बलदेव उपाध्याय, भारतीय साहित्यशास्त्र, वाराणसी।
- राधाबल्लभ त्रिपाठी, भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- उदयभानु सिंह (संपा.), भारतीय काव्यशास्त्र, नई दिल्ली, राजेश प्रकाशन
- सत्यदेव चौधरी, भारतीय काव्यशास्त्र शिक्षण, दिल्ली, अलंकार प्रकाशन।
- राममूर्ति त्रिपाठी, भारतीय काव्य विमर्श, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- बलदेव उपाध्याय, भारतीय साहित्यशास्त्र, वाराणसी।
- सुरेंद्र एस.बार लिंगे, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की नई परिभाषा, नईदिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ।
- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा,काव्यालंकार, पटना, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद।
- आचार्य विश्वेश्वर, काव्य प्रकाश, वाराणसी, ज्ञानमंडल लिमिटेड।


**Paper: HIN705C (Core)**
भारतीय साहित्य
**Credits: 4 = 3+1+0 (48 Lectures)**

- ❖ भारतीय साहित्य की अवधारणा।
- ❖ भारतीय साहित्य की परंपरा।
- ❖ भारतीय साहित्य की कालजयी कृतियां-1 (रवींद्रनाथ टैगोर-गोरा, सुब्रमणियम भारती-कविताएं, तकषी शिवशंकर पिल्लै-चेम्मीन)।
- ❖ भारतीय साहित्य की कालजयी कृतियां-2(कुर्तुल एन. हैदर-आगकादरिया, गुरदयाल सिंह-मढीकादीवा, रमा मेहता- हवेली के अंदर, इंदिरा गोस्वामी- नीलकंठी ब्रज)।

<u>संदर्भ-ग्रंथ :</u>

- रवीन्द्र नाथ टैगोर, गोरा, दिल्ली, साहित्य अकादमी।
- रवीन्द्र नाथ टैगोर, रवीन्द्र रचनावली, दिल्ली, साहित्य अकादमी।
- रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, प्रकाशन संस्थान।
- नगेन्द्र, भारतीय साहित्य, दिल्ली, प्रभात प्रकाशन।
- के सच्चिदानंद, भारतीय साहित्य, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- तारकनाथ बाली, भारतीय साहित्य सिद्धांत, दिल्ली,शब्दकार।
- रामविलास शर्मा, भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं, दिल्ली, वाणी प्रकाशन।
- तकषि शिवशंकर पिल्लै (भारती विद्यार्थी), मछुवारे, नईदिल्ली, साहित्य अकादमी।
- तकषि शिवशंकर पिल्लै (पी. कण्णन), कथाएक प्रांतर की, दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ।
- तकषि शिवशंकर पिल्लै (एन. कुट्टन पिल्लै), कालम, दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
- तकषि शिवशंकर पिल्लै (राकेश कालिया),धान, नईदिल्ली, एन.बी.टी।
- गुरदयाल सिंह, मढी का दीवा, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- **Sisir Kumar Das, History of Indian Literature: 1911-1956, Struggle for Freedom: Triumph and Tragedy, Delhi, Sahitya Academy।**
- **Amiya Dev, Idea of Comparative Literature, Calcutta।**


**Paper: HIN706S (SEC)**
प्रयोजनमूलक हिन्दी
**Credits: 2 = 2+0+0 (32 Lectures)**

- ❖ कामकाजी हिन्दी सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा।
- ❖ राजभाषा, मानक हिन्दी, संविधान में हिन्दी।
- ❖ कार्यालयी हिन्दी (आलेखन टिप्पणी, पत्र-लेखन, वार्ता, सरकारी पत्राचार)
- ❖ पत्रकारिता : अवधारणा एवं प्रक्रिया, पत्रकारिता की भाषा।

<u>संदर्भ-ग्रंथ</u>


- विजयपाल सिंह, कायार्लयी हिन्दी, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
- डॉ. भोलानाथ तिवारी, राजभाषा हिन्दी, दिल्ली, प्रभात प्रकाशन।

- के.न.गोस्वामी व सरोज मार्कंडेय, आकाशवाणी वार्ताएं (तीनखण्ड)।
- डॉ. रवीन्द्र मिश्रा, दृश्य, श्रृव्य माध्यम लेखन, नईदिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन।
- पूरनचंद टंडन, फीचर लेखन, दिल्ली।
- पी.के. आर्य, फीचर लेखन, दिल्ली, विद्या विहार।
- देवन्द्र इश्वर, जनमाध्यम संप्रेषण और विकास।
- एस. पी. दीक्षित, जनसंचारः प्रकृति और परंपरा।
- आर. के. पाण्डेय, मीडिया का यथार्थ।
- सुधीश पचौरी, मीडिया की परख, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- एस. पी. दीक्षित,मीडिया लेखन कला, दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन।
- एन. सी. पंत, मीडिया लेखन के सिद्धांत, दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन।
- आर. सी. त्रिपाठी, मीडिया लेखन।
- रामचंद्र जोशी, मीडिया विमर्श, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन।
- सुधीश पचौरी एवं अचला शर्मा, नए संचार माध्यम और हिन्दी, नईदिल्ली, राजकमल प्रकाशन।